

SHRI YADLAPALLI VENKATESWARA RAO

Shri Yadlapalli Venkateswara Rao, Chaimian of Rythunestham Foundation and Chief Editor of three Telugu monthly farm magazines strongly believes that whatever society gives us, we need to reciprocate and contribute our might in making this world a better place to live in. In fact, this life philosophy changed the outlook of Shri Rao and turned him into an Agricultural Journalist for serving the farming community. He influenced the lives of farmers through several farmer-centric initiatives.

2. Born on January 16, 1968, Shri Rao graduated in commerce from Acharya Nagarjuna University, Andhra Pradesh. He is popularly known as "Rythunestham Venkateswara Rao" among Telugu speaking people of India and abroad. During childhood, he witnessed the sufferings of farmers for want of supplies and services including extension Services. The trajectory of Shri Rao demonstrated his passion for the welfare of poor farmers and he has chosen the path of Agricultural Journalism as the means to educate and empower the farmers.

3. Shri Rao's contributions are immense as the Chief Editor of sector-focused farm magazines namely Rytunestham, Pasunestham and Prakruthinestham. His contemporary editorial columns are more enriching and thought-provoking to the stakeholders, including policy makers. He realized the devastating effects of chemical fertilizers on the soil health and committed himself to improve the production and productivity of crops through organic and natural farming leading to doubling of farmers' income. To scale up his activities, he along with other like-minded philanthropists started 'Rythunestham Foundation'. The Foundation has been serving the farming community covering 500 villages.

4. The Rythunestham Foundation has become a platform to carry out different agricultural and social activities. The Foundation has organized cancer-screening health camps to farmers' families, tree plantations, modernization of graveyards and Swachh Bharat programmes in surrounding villages. Shri Rao instituted Dr. I.V. Subba Rao Rytunestham Puraskarams to recognize and motivate the scientists, extension workers, journalists and farmers whose contributions are immense in the field of Agriculture and allied sciences. The Foundation has been providing decision support through mobile platform and customized messages to farmers.

5. Shri Rao has to his credit 964 publications which include 256 Editorial columns, 280 Success stories, 372 Articles, 24 Interviews, 35 Books and 7 DVDs in local language. He has been invited as a resource person in several programmes in India and abroad. He has made unprecedented reach of farming community through digital media viz. Youtube, WhatsApp, Facebook etc. The mobile communication platform has been created and is providing timely information on latest agricultural practices including marketing information on Agricultural, Livestock and Fisheries products. He is instrumental in organization of 100 Kalajathara Programmes (a community based traditional art form of folk theatre) in 130 villages and motivated 95,000 farmers on organic agriculture, Rythu Nestham). This Foundation has taken up propagation of minor millets at various forums on a large scale for the benefit of farmers as well as consumers of both Telugu States by arranging several awareness campaigns. This also helps farmers cultivate these crops in dry lands under rain-fed conditions to promote natural environment.

6. Shri Rao has been received several accolades and awards from various organizations. The Governments of Andhra Pradesh and Telangana and other professional societies recognized his yeomen service by felicitating him on several occasions. To name a few, he was appointed as Advisory Committee Member of Andhra Pradesh Electricity Regulatory Commission, awarded 'Ugadi Puraskaram' for Agri-Journalism by the Government of Andhra Pradesh; I.V. Subba Rao Memorial Agri Journalism Award (2010); Indira Gandhi Krishi Seva Puraskaram by Telangana Kisan Khet Mazdoor Congress; Agri Journalism Award by Andhra Pradesh Working Journalists Union; Balagangadhara Tilak Award by Amaravathi Utsav Samiti, Andhra Pradesh and several others.

पद्म श्री



श्री येड्लपल्लि वेंकटेश्वर राव

श्री येड्लपल्लि वेंकटेश्वर राव, रायतुनेस्तम फाउन्डेशन के अध्यक्ष और तीन तेलुगु मासिक कृषि पत्रिकाओं के मुख्य सम्पादक का मानना है कि समाज जो कुछ हमें देता है, हमें उसे वापस करना चाहिए तथा इस विश्व को रहने का एक बेहतर स्थान बनाने में अपना यथेष्ठ योगदान देना चाहिए। वास्तव में जीवन के इस दर्शन ने आपके दृष्टिकोण को बदल दिया तथा आपको कृषि समुदाय की सेवा करने के लिए एक कृषि पत्रकार बना दिया। आपने कई किसान केन्द्रित पहलों के माध्यम से किसानों के जीवन को प्रभावित किया।

2. आपका जन्म 16 जनवरी, 1968 में हुआ था। आपने आचार्य नागार्जुन विश्वविद्यालय, आंध्र प्रदेश से स्नातक की डिग्री ली। आप भारत और विदेश में तेलुगु भाषी लोगों के बीच "रायतुनेस्तम वेंकटेश्वर राव" के रूप में लोकप्रिय हैं। बाल्यावस्था के दौरान, आपने आपूर्तियों और विस्तार सेवाओं सहित सेवाओं की कमी के कारण किसानों के कष्टों को देखा है। आपके दृष्टिकोण ने गरीब किसानों के कल्याण के लिए आपकी रूचि को परिलक्षित किया है और आपने किसानों को शिक्षित और सशक्त बनाने के साधनों के रूप में कृषि पत्रकारिता का मार्ग चुना है।

3. कृषि सेक्टर संकेन्द्रित कृषि पत्रिकाओं अर्थात् रायतुनेस्तम, पशुनेस्तम और प्रकृतिनेस्तम के मुख्य सम्पादक के रूप में आपका व्यापक योगदान है। आपके आधुनिक सम्पादकीय स्तम्भ सूचना से ओत-प्रोत और नीति-निर्माताओं सहित हितधारकों की सोच को झकझोर देने वाले हैं। आपने मृदा स्वास्थ्य पर रसायनिक उर्वरकों के विनाशकारी प्रभावों को समझा और आर्गेनिक तथा प्राकृतिक खेती के माध्यम से फसलों के उत्पादन और उत्पादकता को बढ़ाने के प्रति स्वयं को प्रतिबद्ध किया जिससे किसानों की आय दोगुनी हुई। अपने कार्यकलापों को बढ़ाने के लिए आपने समान सोच रखने वाले अन्य परोपकारी व्यक्तियों के साथ मिलकर 'रायतुनेस्तम फाउन्डेशन' आरंभ किया। यह फाउन्डेशन 500 गांवों के कृषि समुदाय की सेवा कर रहा है।

4. रायतुनेस्तम फाउन्डेशन विभिन्न कृषि और सामाजिक कार्यकलापों के लिए एक मंच बन गया है। इस फाउन्डेशन ने किसानों के परिवारों के लिए कैंसर जांच संबंधी स्वास्थ्य शिविर लगाए हैं, वृक्षारोपण, कब्रिस्तान के आधुनिकीकरण के कार्य तथा आसपास के गांवों में स्वच्छ भारत कार्यक्रमों का आयोजन किया है। आपने वैज्ञानिकों, अनौपचारिक शिक्षा विस्तार कार्यकर्ताओं, पत्रकारों और किसानों, जिनका कृषि और सम्बद्ध विज्ञान के क्षेत्र में व्यापक योगदान रहता है, को सम्मानित और अभिप्रेरित करने के लिए डॉ. आई बी सुब्बाराव रायतुनेस्तम पुरस्कारम शुरू किया। यह फाउन्डेशन मोबाइल प्लेटफॉर्म तथा कस्टमाइज्ड संदेशों के माध्यम से किसानों को निर्णय लेने संबंधी सहायता प्रदान करता रहा है।

5. आपके 964 प्रकाशन हैं जिनमें स्थानीय भाषा में 256 सम्पादकीय स्तम्भ, 280 सफलता संबंधी कहानियां, 372 लेख, 24 साक्षात्कार, 35 पुस्तक तथा 7 डीवीडी शामिल हैं। आपको भारत और विदेश में कई कार्यक्रमों में संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित किया गया है। आपने डिजिटल मीडिया जैसे यूट्यूब, ह्वॉट्सएप, फेसबुक आदि के माध्यम से कृषि समुदाय की पहुंच में अभूतपूर्व पहुंच बनायी है। मोबाइल संचार प्लेटफॉर्म सृजित किया गया है और यह कृषि, पशुधन और मत्स्य उत्पादों के बारे में विपणन सूचना सहित नवीनतम कृषि पद्धतियों के बारे में समय पर सूचना प्रदान कर रहा है। आप 130 गांवों में 100 कला यात्रा कार्यक्रमों (लोक थियेटर का एक समुदाय आधारित पारम्परिक कला रूप) आयोजित करने में सहायक रहे और आपने आर्गेनिक खेती, रायतुनेस्तम के बारे में 95,000 किसानों को अभिप्रेरित किया है। इस फाउन्डेशन ने कई जागरूकता अभियानों के माध्यम से दोनों तेलुगु राज्यों के किसानों और उपभोक्ताओं के लिए व्यापक स्तर पर विभिन्न मंचों से बाजरा के प्रसार का कार्य किया है। यह फाउन्डेशन प्राकृतिक पर्यावरण को बढ़ावा देने के लिए कम वर्षा वाले स्थानों की परिस्थितियों में इन फसलों की खेती करने में किसानों की मदद भी करता है।

6. आपको विभिन्न संगठनों से कई सम्मान और पुरस्कार मिले हैं। आंध्र प्रदेश और तेलंगाना सरकारों तथा अन्य व्यावसायिक सोसायटियों ने कई अवसरों पर आपका अभिवादन करके आपकी महत्वपूर्ण सेवा को सम्मानित किया है। आपको आंध्र प्रदेश विद्युत विनियामक आयोग का सलाहकारी समिति सदस्य नियुक्त किया गया है, आपको आंध्र प्रदेश सरकार द्वारा कृषि पत्रकारिता के लिए 'उगदी पुरस्कारम' पुरस्कार प्रदान किया गया है। अन्य सम्मानों में आई.बी. सुब्बाराव मेमोरियल कृषि पत्रकारिता पुरस्कार (2010); तेलंगाना किसान खेत मजदूर कांग्रेस द्वारा इन्दिरा गांधी कृषि सेवा पुरस्कार; आंध्र प्रदेश वर्किंग जर्नलिस्ट यूनियन द्वारा कृषि पत्रकारिता पुरस्कार; अमरावती उत्सव समिति, आंध्र प्रदेश द्वारा बाल गंगाधर तिलक पुरस्कार तथा कई अन्य पुरस्कार शामिल हैं।